वर्ष-16 - अंक 98
पृष्ट-04 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर साप्ताहिक
बुधवार,29 जुलाई 2026

RNI.No. (UHIN/2009/34814)

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

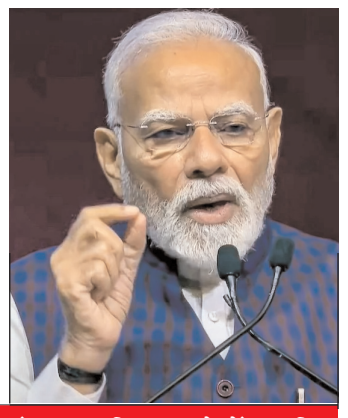

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

जल संकट का असंतुलित प्रबंधन अस्तित्व पर मंडराता खतरा 2

नवंबर तक 75% बजट खर्च करें, लम्पी रोग पर तुरंत कार्रवाई हो: धर्मपाल सिंह 3

स्टारशिप ने 20 उन्नत स्टारलिंक उपग्रहों के साथ भरी सफल उड़ान 04

रक्षाबंधन पर महिलाओं को मिलेगी 2,500 रुपये की पहली किस्त

दिल्ली लक्ष्मी योजना को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि योजना के लिए ऑनलाइन पोर्टल 1 अगस्त 2026 से शुरू किया जाएगा। इसके बाद पात्र महिलाएं घर बैठे आवेदन कर सकेंगी। आवेदन और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद रक्षाबंधन के अवसर पर लाभार्थियों को योजना की पहली किस्त के रूप में 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने राजधानी की महिलाओं से किया गया एक और वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता देने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि हर महीने मिलने वाली 2,500 रुपये की सहायता राशि किसी महिला के लिए दवाइयों का सहारा बन सकती है, किसी बेटी की पढ़ाई में मदद कर सकती है या किसी परिवार के रोजमर्रा के खर्च में राहत पहुंचा सकती है। सरकार का उद्देश्य है कि आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद महिलाओं को नियमित सहायता देकर उन्हें मजबूत बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में बताया कि दिल्ली लक्ष्मी योजना को मंत्रिमंडल की बैठक में औपचारिक मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रत्येक माह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना और उन्हें अपने निर्णय स्वयं लेने के लिए अधिक आत्मविश्वास प्रदान करना है। योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री के अनुसार, योजना का ऑनलाइन पोर्टल 1 अगस्त से शुरू होगा। पात्र महिलाएं पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगी। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित विभाग द्वारा पात्रता की जांच और दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। सरकार ने योजना में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाने का निर्णय लिया है, जिससे लाभार्थियों का चयन व्यवस्थित तरीके से किया जा सके। रेखा गुप्ता ने बताया कि आवेदन और सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरकार रक्षाबंधन तक लाभार्थियों के पहले समूह को पहली किस्त जारी करने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना दिल्ली की महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी और इससे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार योजनाएं लागू कर रही है। दिल्ली लक्ष्मी योजना इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि योजना का लाभ मिलने से महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और वे अपने परिवार तथा समाज में अधिक मजबूती के साथ भूमिका निभा सकेंगी। दिल्ली सरकार के अनुसार, योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पात्र महिलाओं तक समय पर सहायता पहुंचाई जा सके।

शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया गया, युवाओं की आवाज दबा रही सरकार: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में एंटी-पेपर लीक विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने देश की शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर दिया है और युवाओं एवं छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रियंका गांधी ने लोकसभा में कहा कि शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के नाम पर उसे कमजोर किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने शिक्षा तंत्र में अपने विचारों से जुड़े लोगों को शामिल कर व्यवस्था को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के गठन के बाद परीक्षा प्रणाली का केंद्रीकरण हुआ, जिससे समस्याएं और बढ़ीं। उन्होंने कहा कि देश के कुल बजट में शिक्षा क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ने के बजाय लगातार कम हो रही है। सरकार को शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस सांसद ने छात्र आंदोलनों के दौरान कथित पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर आंसू गैस, लाठीचार्ज और अन्य बल प्रयोग की जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने सवाल किया कि छात्रों पर कार्रवाई का आदेश किसने दिया और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि यह केवल कांग्रेस का सवाल नहीं है, बल्कि देश के युवाओं और उनके परिवारों का सवाल है। प्रियंका गांधी ने बताया कि वह हाल ही में दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंची थीं, जहां पुलिस कार्रवाई में घायल एक छात्रा का इलाज चल रहा था। उन्होंने कहा कि छात्रा की मां बेहद परेशान थीं और उन्होंने नेताओं के दौरे को लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात जीवन का गौरवपूर्ण क्षण: अर्चना गुप्ता

नई दिल्ली(एजेंसी)। हरियाणा भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने हरियाणा के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार पुराल (धान के अवशेष एवं प्राकृतिक रेशों) से निर्मित कमल का पुष्प प्रधानमंत्री को भेंट किया। करीब आधे घंटे तक चली इस आत्मीय मुलाकात में संगठन को मजबूत बनाने, सामाजिक सरोकारों, महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत के संकल्प सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करना उनके जीवन का अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी क्षण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत हैं और उनके नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, प्रत्येक कार्यकर्ता को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने तथा सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से प्रदेश संगठन को नई ऊर्जा मिली है। उनके द्वारा दिए गए प्रत्येक सुझाव को आत्मसात करते हुए भाजपा हरियाणा को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और जनसेवा के कार्यों को और गति देने का संकल्प लिया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि आज देश की महिलाएं राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और विज्ञान सहित हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे ऐतिहासिक निर्णय महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिला आत्मनिर्भरता को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। प्रधानमंत्री को भेंट किया गया कमल पुष्प हरियाणा के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किया गया था। यह हस्तनिर्मित कलाकृति ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता, स्वदेशी शिल्प और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि यह उपहार केवल सम्मान का प्रतीक नहीं, बल्कि वोकल फॉर लोकल, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी दर्शाता है। स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे ऐसे उत्पाद ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक मजबूती देने के साथ-साथ हरियाणा की पारंपरिक कला को राष्ट्रीय पहचान दिला रहे हैं। डॉ. अर्चना गुप्ता ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता पर विश्वास जताकर प्रदेश अध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देना उनके लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत है। उन्होंने कहा कि वह इस जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगी।

संक्षिप्त ख़बरें

जापान में 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढही

टोक्यो। दक्षिणी जापान में मंगलवार को आए 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने व्यापक तबाही मचाई। भूकंप के तेज झटकों से कुमामोटो प्रांत और आसपास के इलाकों में कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई, आग लगने की घटनाएं सामने आई और रेल सेवाएं प्रभावित हो गई। एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढहने से 50 से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। राहत एवं बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर अभियान चला रहे हैं। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 4:27 बजे आया। इसका केंद्र कुमामोटो शहर से लगभग 20 किलोमीटर दक्षिण में और जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप के तेज झटके पूरे क्यूशू द्वीप सहित आसपास के कई क्षेत्रों में महसूस किए गए, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुमामोटो प्रांत के काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा। भूकंप के दौरान मॉल की दूसरी मंजिल का एक हिस्सा अचानक ढह गया, जिससे वहां मौजूद कई लोग मलबे में फंस गए।

जौहर यूनिवर्सिटी ध्वस्तीकरण मामला: अब तीन अगस्त को होगी सुनवाई

रामपुर। रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर अब तीन अगस्त को मंडलायुक्त एवं रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के अध्यक्ष की अदालत में सुनवाई होगी। इससे पहले न्यायालय ने अगली सुनवाई तक विश्वविद्यालय परिसर के खिलाफ किसी भी प्रकार की ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा रखी है। गौरतलब है कि रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के उपाध्यक्ष एवं जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने 15 जुलाई को आदेश जारी करते हुए जौहर यूनिवर्सिटी परिसर में निर्मित 38 भवनों को बिना स्वीकृत मानचित्र के बनाया गया बताते हुए उनके ध्वस्तीकरण के निर्देश दिए थे। प्रशासन का कहना है कि संबंधित भवन विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के बिना निर्मित किए गए हैं, इसलिए नियमानुसार कार्रवाई की गई। प्रशासन के इस आदेश को जौहर यूनिवर्सिटी प्रबंधन और उसके ट्रस्ट की ओर से मंडलायुक्त एवं आरडीए अध्यक्ष आंजनेय कुमार सिंह की अदालत में चुनौती दी गई है। याचिका में ध्वस्तीकरण आदेश को निरस्त करने और विश्वविद्यालय के पक्ष को विस्तार से सुने जाने की मांग की गई है।

अंतिम रिपोर्ट का मसौदा अक्तूबर में सुप्रीम कोर्ट को सौंपेगी सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच से जुड़ी अंतिम रिपोर्ट का मसौदा अक्तूबर के पहले सप्ताह में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय को यह जानकारी दी। सरकार ने बताया कि हादसे से जुड़े सभी आवश्यक सिमुलेशन परीक्षण पूरे हो चुके हैं और जांच अंतिम चरण में है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की जांच निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अंतिम मसौदा रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में अदालत के समक्ष पेश की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को यह भी बताया कि याचिकाकर्ताओं की ओर से दिए गए सुझावों के अनुरूप चार सिमुलेशन परीक्षण पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स के पास कोई तकनीकी जानकारी या सुझाव है तो वह एएआईबी को उपलब्ध कराया जा सकता है। जांच एजेंसी आवश्यकता पड़ने पर उसका परीक्षण कर उचित कार्रवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट एक गैर-सरकारी संगठन, एक विधि छात्र तथा हादसे में जान गंवाने वाले पायलट के पिता द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। इन याचिकाओं में दुर्घटना की स्वतंत्र और न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है। मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 13 अक्तूबर की तारीख निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान एएआईबी की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि 12 जून, 2025 को हुए विमान हादसे से संबंधित कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा व वीडियो रिकॉर्डिंग को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। एजेंसी ने कहा कि विमान दुर्घटना जांच से जुड़े नियमों के तहत इस तरह की सामग्री को किसी बाहरी समिति या आम जनता के साथ साझा करने पर पूर्ण वैधानिक प्रतिबंध है। ऐसा करना विमान (दुर्घटनाओं एवं घटनाओं की जांच) नियम, 2025 का उल्लंघन माना जाएगा। गौरतलब है कि एअर इंडिया की बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर फ्लाइट एआई-171 अहमदाबाद से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए रवाना हुई थी। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान का संचालन कैप्टन सुमीत सभरवाल और सह-पायलट कैप्टन क्लाइव कुंदर कर रहे थे। इस भीषण हादसे में कई लोगों की जान गई थी, जिनमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे। अब इस बहुचर्चित मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही सुनवाई और एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

भारतीय तटरक्षक बल में लैंगिक समानता की नई पहल: महिलाओं को मिलेगा पुरुषों के बराबर अवसर

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अधिकारियों की भर्ती और सेवा शर्तों से जुड़ी नई नीति लागू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत महिला अधिकारियों को अब शॉर्ट सर्विस अपॉइंटमेंट (एसएसए) और परमानेंट अपॉइंटमेंट (पीए) दोनों में पुरुषों के समान अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता होने वाले तटरक्षक कर्मियों के परिजनों को अनुग्रह राशि और अन्य सेवा लाभ जल्द उपलब्ध कराने के लिए प्रक्रिया भी सरल बना दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि नई नीति का उद्देश्य भारतीय तटरक्षक बल में 'लिंग-तटस्थ भर्ती व्यवस्था' लागू करना है, जिससे महिला और पुरुष उम्मीदवारों को समान अवसर मिल सकें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम के दौरान इन दोनों महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। नई नीति के अनुसार, अब महिला उम्मीदवारों को शॉर्ट सर्विस अपॉइंटमेंट (एसएसए) और परमानेंट अपॉइंटमेंट (पीए) दोनों में पुरुष उम्मीदवारों के समान अवसर दिए जाएंगे। वहीं, शॉर्ट सर्विस अपॉइंटमेंट की व्यवस्था अब पुरुष उम्मीदवारों के लिए भी उपलब्ध रहेगी, जिससे भर्ती प्रक्रिया अधिक संतुलित और समान अवसर आधारित बन सकेगी।

म्यांमार मानव तस्करी-साइबर ठगी नेटवर्क पर एनआईए का शिकंजा

रायपुर(एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भारतीय नागरिकों की मानव तस्करी कर उन्हें म्यांमार भेजने और साइबर ठगी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े मामले में सोमवार को पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में छापेमारी की। एजेंसी ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर और छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में तलाशी अभियान चलाकर कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जुटाए हैं। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी और साइबर अपराध से जुड़े नेटवर्क की जांच के तहत की गई। एनआईए की यह कार्रवाई उस चार्जशीट के लगभग पांच महीने बाद हुई है, जिसे एजेंसी ने फरवरी के मध्य में तीन आरोपियों के खिलाफ पंचकूला स्थित विशेष एनआईए अदालत में दाखिल किया था। आरोपियों में अंकित कुमार उर्फ अंकित भारद्वाज, इश्तिखार अली उर्फ अली और एक फरार संदिग्ध चीनी नागरिक लीसा शामिल हैं। इन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं और प्रवासन अधिनियम की धारा-24 के तहत आरोप लगाए गए हैं। जांच के अनुसार यह गिरोह भारतीय और विदेशी एजेंटों के सहयोग से संचालित हो रहा था।

कांवड़ मेले की तैयारियां पूरी, 30 जुलाई से 11 अगस्त तक हरिद्वार के स्कूल रहेंगे बंद

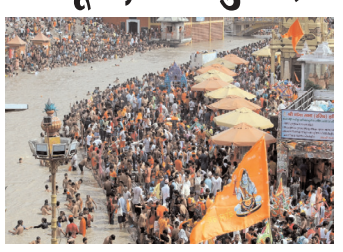

हरिद्वार(एजेंसी)। कांवड़ मेले के शांतिपूर्ण और सुरक्षित आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और हरिद्वार पुलिस ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सोमवार को प्रेस क्लब में आयोजित संवाद कार्यक्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने मेले की व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए बताया कि 30 जुलाई से 11 अगस्त तक जिले के सभी विद्यालयों में अवकाश रहेगा। इस अवधि में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जाएंगी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि मेले के लिए सभी विभागों की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। विभिन्न सेक्टरों में अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है और जहां भी किसी प्रकार की कमी मिलेगी, उसे तत्काल दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाएं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। मानसून, राष्ट्रीय राजमार्गों पर चल रहे निर्माण कार्य और कुंभ-2027 की तैयारियों के बावजूद मेले की व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि मेले के दौरान मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही सभी दुकानों पर खाद्य सामग्री की रेट लिस्ट प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा, ताकि श्रद्धालुओं से अधिक कीमत वसूलने जैसी शिकायतें न हों। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि इस वर्ष पहली बार कांवड़ मेले में साइबर कमांडो तैनात किए जा रहे हैं। ये विशेष टीमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 24 घंटे निगरानी रखेंगी और किसी भी भ्रामक, फर्जी या एआई जनरेटेड वीडियो के प्रसार पर तत्काल कार्रवाई करेंगी, जिससे अफवाहों और भ्रम की स्थिति को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को कांवड़ यात्रा के यातायात से अलग रखा जाएगा, ताकि सामान्य यातायात प्रभावित न हो। वहीं, डीजे वाहनों के संचालन के लिए निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

झारखंड में 16 कुख्यात माओवादी करेंगे आत्मसमर्पण

15 लाख के इनामी रीजनल कमांडर समेत कई जोनल और सब-जोनल कमांडर मुयधारा में लौटेंगे

रांची(एजेंसी)। झारखंड में माओवादी उग्रवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बड़ी सफलता मिलने जा रही है। पुलिस और सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई, जंगलों में सघन अभियान तथा राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के प्रभाव से 28 जुलाई को 16 कुख्यात माओवादी सामूहिक रूप से आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटेंगे। आत्मसमर्पण करने वाले इन उग्रवादियों पर कुल 60 लाख रुपये का इनाम घोषित है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आत्मसमर्पण करने वालों में सबसे बड़ा नाम 15 लाख रुपये के इनामी रीजनल कमांडर संतोष उर्फ गांधी का है। उसके साथ संगठन के कई वरिष्ठ माओवादी कैडर भी हिंसा का रास्ता छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था में शामिल होंगे। अधिकारियों का मानना है कि एक साथ इतने बड़े स्तर पर इनामी माओवादियों का आत्मसमर्पण संगठन के लिए बड़ा झटका साबित होगा। जानकारी के मुताबिक आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में 10-10 लाख रुपये के इनामी तीन जोनल कमांडर, पांच-पांच लाख रुपये के इनामी तीन सब-जोनल कमांडर, छह एरिया कमांडर तथा संगठन के तीन दस्ता कैडर शामिल हैं। इन सभी ने वर्षों तक विभिन्न क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पिछले कुछ समय से झारखंड के माओवादी प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार चलाए जा रहे अभियान, जंगलों में चौतरफा घेराबंदी और खुफिया तंत्र की सक्रियता के कारण माओवादी संगठन की गतिविधियां लगातार कमजोर हुई हैं। दूसरी ओर, राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत उग्रवादियों को समाज की मुख्यधारा में लौटने और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी दिया जा रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि 28 जुलाई को होने वाला यह सामूहिक आत्मसमर्पण झारखंड में माओवादी विरोधी अभियान की बड़ी उपलब्धियों में शामिल होगा। इससे न केवल संगठन की कमजोर होती पकड़ का संकेत मिलेगा, बल्कि जंगलों में सक्रिय अन्य माओवादियों को भी हिंसा छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का संदेश जाएगा। अधिकारियों के अनुसार आत्मसमर्पण के बाद सभी माओवादियों को सरकार की

लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा चीनी विमान

लखनऊ(एजेंसी)। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार देर रात पहली बार किसी चीनी विमान की लैंडिंग हुई। चाइना सदर्न एयरलाइंस का विमान खराब मौसम के कारण नेपाल की राजधानी काठमांडू में उतर नहीं सका, जिसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) की अनुमति से उसे लखनऊ एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। मौसम सामान्य होने के बाद विमान को दो घंटे बाद पुन: काठमांडू के लिए रवाना कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, चाइना सदर्न एयरलाइंस की फ्लाइट सीजेड-3067 चीन के गुआंगझू से काठमांडू के लिए निर्धारित समय पर रवाना हुई थी। स्थानीय समयानुसार विमान रात करीब 10:35 बजे काठमांडू पहुंचा, लेकिन खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण उसे वहां उतरने की अनुमति नहीं मिल सकी। इसके बाद पायलट ने एटीसी से संपर्क किया और विमान को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारने की मंजूरी दी गई। रात करीब 11:35 बजे विमान सुरक्षित रूप से लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा और उसे पार्किंग बे तक ले जाया गया। विमान में क्रू सदस्यों सहित कुल 159 यात्री सवार थे। इस दौरान यात्रियों को विमान से बाहर नहीं उतारा गया और सभी लगभग दो घंटे तक विमान के भीतर ही रहे। काठमांडू में मौसम अनुकूल होने के बाद विमान को रात करीब दो बजे पुन: रवाना कर दिया गया। लखनऊ एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार, यह पहला अवसर है जब किसी चीनी एयरलाइन के विमान ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। इससे पहले यहां अमेरिका और यूरोप की कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की आपात अथवा डायवर्ट लैंडिंग हो चुकी है, लेकिन किसी चीनी विमान का यह पहला आगमन था। चीनी विमान के लखनऊ पहुंचने की सूचना मिलते ही सीआईएसएफ सहित अन्य सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गईं।

संपादकीय

छोटे परिवार, बड़े संकट

देश के बहुचर्चित 'हनीमून मर्डर' केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने आधुनिक जीवनशैली से पारिवारिक विघटन पर जो गंभीर टिप्पणी की, मानो उसने भारतीय समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया। सोनम रघुवंशी मामले में मेघालय सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की बेंच ने गंभीर टिप्पणी की कि आज पति-पत्नी के रिश्तों में भरोसा कम हो रहा है। पहले संयुक्त परिवार रिश्तों को संभालते थे। संयुक्त परिवार इंसान को निराशा सहना और एडजस्ट करना सिखाते थे। लेकिन आज छोटे परिवारों की व्यवस्था के कारण पुरुषों व महिलाओं में डिप्रेशन बढ़ रहा है। लोग छोटी-छोटी बातों में चिढ़ने लगते हैं। गैजेट्स की लत ने इस संकट को और बढ़ाया है। जस्टिस सुंदरेश ने तो यहां तक कहा कि आज बच्चा किसी बात पर जरा रो दे, माता-पिता उसे मोबाइल थमा देते हैं। निस्संदेह, भावनाओं का विकल्प कभी गैजेट्स नहीं हो सकते। धीरे-धीरे बच्चों को इस मोबाइल की लत लग जाती है। उनकी एकाग्रता भंग होने लगती है। भले ही अदालत के समक्ष एक संगीन अपराध का मामला था, लेकिन उसने उस गंभीर संकट के मर्म पर चोट की है, जिससे आए दिन परिवार बिखराव की दहलीज पर खड़े नजर आते हैं। विडंबना देखिए कि जिस भारतीय समाज में 'तलाक' के लिये कोई शब्द ही नहीं था, वहां अदालतों में रिश्तों को तोड़ने वालों की भीड़ लगी है। यहां तक कि एक बार अदालत को कहना पड़ा कि पारिवारिक झगड़ों के कारण महत्वपूर्ण कानूनी मामलों पर दबाव बढ़ रहा है। एक समय था कि पश्चिमी जगत में भारतीय परिवार संस्था की सार्थकता व समृद्ध परंपराओं की दुहाई दी जाती थी। लेकिन आज उसी भारत ने पश्चिमी समाज का अंधानुकरण करके एकल परिवार को जीवन का लक्ष्य बना लिया है। जिसके चलते लाखों परिवार संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे हैं। जिससे पारिवारिक संस्था संकटों से जूझ रही है। हाल के दिनों में विवाह से ठीक पहले और विवाह के ठीक बाद के, कई वीभत्स हत्याकांड सामने आए हैं, जिन्होंने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। निर्मम हत्या करने वाली महिला के पति व मंगेतरों के पास प्रतिष्ठा, अचल संपत्ति व बैंक बैलेंस की कोई कमी नहीं थी। निस्संदेह, धन-सपंदा व भारी चमक-दमक से जीवन का सुख नहीं खरीदा जा सकता। संत कबीरदास ने सदियों पहले कह दिया था कि... जब आए संतोष धन सब धन धूरि समान। तभी तो तमाम समृद्धि व विलासिता के साधनों के बावजूद लोग खुश नहीं हैं। ऐसे में घातक कदम उठाने वाले महिलाओं व पुरुषों की परवरिश में भी कहीं न कहीं कोई कमी जरूर रह गई है। पहले साझे परिवारों में दादा-दादी या नाना-नानी, अपने जीवन के कठिन अनुभवों व नफे-नुकसान से हासिल ज्ञान से बेटे-बेटियों व पोते-पोतियों को सीख देते थे। जीवन मूल्यों की कहानियां सुनाया करते थे। संयुक्त परिवार में माता-पिता को किसी अप्रत्याशित झटके झेलने वाला सुरक्षा कवच माना जाता था। दुख-दर्द का मुकाबला साझे रूप में करने से वह कम महसूस होता था। घर की सुरक्षा बनी रहती थी। बूढ़ी मां भले ही शारीरिक रूप से अक्षम होती, लेकिन भरोसा बना रहता था कि घर में मां तो है। पिता तो हैं। अब जब पति-पत्नी असीमित इच्छाओं की पूर्ति के लिये काम पर चले जाते हैं तो घर किसके सहारे रहे? बच्चा किसके भरोसे रहे? कामवाली के? जो चंद पैसों के लिये घर में काम करने आती है। जो वहां आकर अपने घर के अभावों व दुख की तुलना इस घर की समृद्धि से करती है। वही घर के बच्चे की देखभाल के साथ अपने संस्कार भी देती है। दरअसल, आज परिवार में रिश्तों से बड़े अहम? हो गए हैं। इगो का टकराव अकसर रिश्तों के बिखराव की वजह बनता है। कोई झुकने को तैयार नहीं होता है तो परिवार को टूटने से कौन रोकेगा? जाहिर है जो बात पति-पत्नी के बीच नहीं बनी, वो कोर्ट-कचहरी में क्या बनेगी? अलगाव का त्रास मनमुटाव से ज्यादा भयावह होता है। तभी तो अदालतों में तलाक की अर्जियों की संख्या दिन-दुगनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रही है।

जल संकट का असंतुलित प्रबंधन अस्तित्व पर मंडराता खतरा

हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उार भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है।

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है। इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है।भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है। बड़े-बड़े भवनों, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों में वर्षाजल सीधे नालों में बह जाता है। यदि प्रत्येक भवन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू हो जाए तो लाखों लीटर पानी हर वर्ष धरती के भीतर पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश अनेक राज्यों में कानून तो बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाया। जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है। भारत में कभी तालाब, बावड़ियां, जोहड़, कुंड और पारंपरिक जल संरचनाएं गांवों की पहचान होती थीं। वे वर्षा के जल को रोककर भूजल को समृद्ध बनाती थीं। आधुनिक विकास की दौड़ में इन जल स्रोतों को या तो नष्ट कर दिया गया या अतिक्रमण का शिकार बना दिया गया। यदि इन पारंपरिक जल प्रणालियों का पुनर्जीवन किया जाए तो जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। जल संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। घरों में पानी की अनावश्यक बर्बादी रोकना, वर्षाजल संचयन अपनाना, रिसाव ठीक कराना, कम पानी वाले उपकरणों का उपयोग करना और बच्चों में जल संरक्षण के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। यदि प्रत्येक परिवार प्रतिदिन कुछ लीटर पानी भी बचाए तो राष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों लीटर जल की बचत संभव है। सरकार को भी जल प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। प्रत्येक जिले के लिए भूजल बजट तैयार किया जाए, भूजल दोहन पर वैज्ञानिक नियंत्रण हो, सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों-ड्रिप और स्प्रिंकलर-को व्यापक प्रोत्साहन मिले तथा ऐसे कृषि अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए जो कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली किस्में विकसित करे। साथ ही जल शिक्षा को विद्यालयों के पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी जल के महत्व को केवल पुस्तकों में नहीं, व्यवहार में भी समझ सके। भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हमारे पास आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त जल बचेगा? यदि आज भी हमने जल को केवल उपभोग की वस्तु समझा तो आने वाले वर्षों में जल के लिए संघर्ष, पलायन और सामाजिक असंतोष बढ़ना स्वाभाविक होगा। खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित होगा, महंगाई बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा संकट आएगा। इसलिए जल संरक्षण केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक शांति का भी प्रश्न है। आज समय की पुकार है कि 'जल बचाना ही भविष्य बचाना है।' हमें बदलती जलवायु के अनुरूप अपनी नीतियों, कृषि प्रणाली और जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन लाने होंगे। वर्षा की प्रत्येक बूंद को धरती में उतारना, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करना और जल अनुशासन को जन-आंदोलन बनाना ही इस संकट का सबसे प्रभावी समाधान है। यदि सरकार, वैज्ञानिक, किसान, उद्योग, सामाजिक संगठन और आम नागरिक मिलकर इस दिशा में संकल्पबद्ध प्रयास करें तो जल संकट को अवसर में बदला जा सकता है। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष करना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी विवशता बन जाएगा।

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकर्ताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रूवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मर्यादा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है। इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्चं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है। छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो। मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। लोकतंत्र में बहस जितनी प्रखर होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। किंतु बहस का स्थान यदि हिंसा ले लेगी, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होगी। जंतर-मंतर से संसद तक जो कुछ हुआ, उसे लोकतांत्रिक आदर्श नहीं कहा जा सकता। यह किसी परिपक्व राजनीतिक सोच का भी परिचायक नहीं है। राष्ट्र निर्माण का मार्ग टकराव नहीं, सहयोग है। हिंसा नहीं, सहमति है। उग्रता नहीं, उदारता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष अपने-अपने आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। आज देश को ऐसे नेतृत्व और ऐसी जनचेतना की आवश्यकता है जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे। सरकार उदारता और संवेदनशीलता दिखाए, आंदोलनकारी संयम और अनुशासन अपनाएं तथा राजनीतिक दल अल्पकालिक लाभ के बजाय लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता दें।

मेष- मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन अपेक्षा से अधिक परिश्रम कराने वाला रह सकता है। कार्यों को पूरा करने में मेहनत अधिक करनी पड़ेगी, जबकि परिणाम उम्मीद से कुछ कम मिल सकते हैं। सामाजिक और परोपकारी कार्यों में आपकी भागीदारी बढ़ सकती है, जिससे सम्मान भी मिलेगा।

वृषभ-वृषभ राशि के लोगों के लिए आज व्यापार और कार्यक्षेत्र में गतिविधियां तेज रहने की संभावना है। अनुभवी और प्रभावशाली लोगों के सहयोग से रुके हुए कार्य आगे बढ़ सकते हैं। प्रतिस्पर्धा वाले क्षेत्रों में मेहनत के बाद सफलता मिलने के योग हैं। आर्थिक पक्ष पहले की तुलना में बेहतर रहेगा।

मिथुन-मिथुन राशि के जातकों को आज कुछ ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है जिनकी पहले से कल्पना नहीं की गई थी। कार्यस्थल पर संयम और समझदारी से काम लेना लाभदायक रहेगा। नए लोगों पर तुरंत भरोसा करने से बचें और हर निर्णय सोच-समझकर लें।

कर्क-कर्क राशि के लिए आज का दिन अध्ययन और ज्ञान से जुड़े कार्यों में व्यावहारिक सोच अपनाने का संकेत दे रहा है। विद्यार्थियों को व्यवहारिक विषयों में बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। व्यापार में साहसिक निर्णय लाभ पहुंचा सकते हैं। यदि यात्रा की योजना बना रहे हैं तो उसे कुछ समय के लिए टालना बेहतर रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी।

सिंह-सिंह राशि के जातकों के लिए आज प्रभाव और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं। लंबे समय से अटके हुए कार्य पूरे होने से राहत मिलेगी और आर्थिक लाभ की संभावना भी बन सकती है। नए लोगों से परिचय भविष्य में लाभदायक साबित हो सकता है।

कन्या-कन्या राशि के लोगों का अधिकांश समय पारिवारिक और शुभ कार्यों में व्यतीत हो सकता है। सामाजिक और जनहित से जुड़े कार्यों में सक्रियता आपकी प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आर्थिक मामलों में जोखिम लेने से बचना बेहतर रहेगा।

तुला-तुला राशि के जातकों के लिए आज वास्तविक परिस्थितियों पर ध्यान केंद्रित करना अधिक लाभदायक रहेगा। कल्पनाओं के बजाय व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाने से सफलता मिलने की संभावना बढ़ेगी। अपनी प्रतिभा और अनुभव का सही उपयोग करें। किसी भ्रम या असमंजस में निर्णय लेने से बचें।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि के लोगों के लिए आज सरकारी कार्यों और व्यवसाय से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं। लंबे समय से रुके हुए कार्य भी उचित प्रयासों से आगे बढ़ सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी और आपसी विश्वास मजबूत होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी रणनीति सफलता दिला सकती है।

धनु-धनु राशि के जातकों को आज नकारात्मक सोच रखने वाले लोगों से दूरी बनाए रखना उचित रहेगा। भावनात्मक संबंधों से सहयोग और मानसिक संबल मिलेगा। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होगी, अन्यथा बजट प्रभावित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में धैर्य बनाए रखें। स्वास्थ्य सामान्य रह सकता है, लेकिन थकान महसूस होने की संभावना रहेगी।

मकर-मकर राशि के लोगों के लिए आज का दिन उद्योग और तकनीकी कार्यों से जुड़े क्षेत्रों में लाभ देने वाला हो सकता है। वरिष्ठों और अनुभवी लोगों का सहयोग मिलेगा, जिससे महत्वपूर्ण कार्य आसानी से पूरे होंगे। नए संबंध भविष्य में उपयोगी साबित हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों के लिए आज कार्यक्षमता बढ़ाने की आवश्यकता महसूस होगी। जिम्मेदारियां अधिक रहने से व्यस्तता बनी रहेगी। नई योजनाओं और नीतियों पर काम करने का अवसर मिल सकता है। संतान से जुड़े किसी विषय को लेकर चिंता हो सकती है, लेकिन धैर्य से स्थिति संभल जाएगी। आर्थिक मामलों में संतुलित निर्णय लाभदायक रहेंगे।

मीन-मीन राशि के लोगों के लिए आज का दिन भावनात्मक संतुष्टि देने वाला हो सकता है। पुराने प्रयासों का सकारात्मक परिणाम व्यवसाय और कार्यक्षेत्र में दिखाई देगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो सकती है। आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति प्राप्त होगी।

न्याय नहीं, प्रतिशोध का माध्यम बनते कार्यस्थल

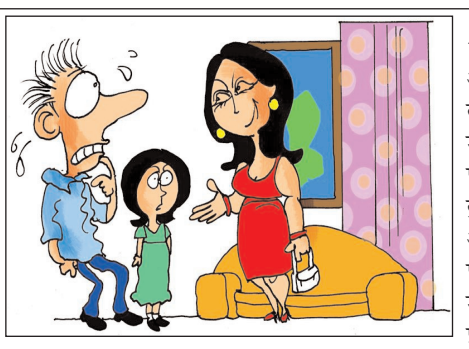

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने वैवाहिक विवादों के एक चिंताजनक पक्ष पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना एवं न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि वैवाहिक विवादों के दौरान पति या पत्नी द्वारा एक-दूसरे के नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत-पत्र भेजने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। न्यायालय ने कहा कि ऐसी शिकायतों के परिणामस्वरूप कई बार संबंधित व्यक्ति की नौकरी चली जाती है या उसका सेवा-जीवन गंभीर रूप से प्रभावित होता है। न्यायालय के अनुसार, तलाक का मुकदमा लड़ना एक अलग बात है, किंतु किसी व्यक्ति की आजीविका और पेशेवर प्रतिष्ठा को संकट में डाल देना कहीं अधिक गंभीर है। यदि किसी व्यक्ति की नौकरी ही समाप्त हो जाए, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव भरण-पोषण (मेंटेनेंस) जैसे वैधानिक दायित्वों पर भी पड़ सकता है। पिछले पांच दशकों में विभिन्न उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक अवसरों पर यह स्पष्ट किया है कि वैवाहिक विवादों के दौरान पति या पत्नी द्वारा एक-दूसरे के नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष अप्रमाणित अथवा मानहानिकारक शिकायतें करना केवल व्यक्तिगत प्रतिशोध का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे संबंधित व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सेवा-जीवन और आजीविका पर भी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। न्यायालयों ने समय-समय पर ऐसे आचरण को मानसिक क्रूरता के दृष्टिकोण से परखा है तथा परिस्थितियों के अनुसार इसे वैवाहिक संबंध-विच्छेद का आधार भी माना है। इस संबंध में सबसे प्रारंभिक और उल्लेखनीय निर्णयों में से एक 'शकुंतला कुमारी बनाम ओम प्रकाश घई' (दिल्ली उच्च न्यायालय, 1980) का है।इस मामले में अलग रह रही पत्नी ने लोकसभा सचिवालय, जहां उसका पति कार्यरत था, को पत्र लिखकर उस पर दुर्व्यवहार तथा अन्य गंभीर आरोप लगाए। न्यायालय ने पाया कि यदि पत्नी का उद्देश्य केवल भरण-पोषण प्राप्त करना था, तो उसके लिए यह कहना पर्याप्त था कि उसे भरण-पोषण नहीं मिल रहा है। इसके लिए पति तथा उसके परिवार के विरुद्ध गंभीर आरोप लगाने की आवश्यकता नहीं थी। न्यायालय ने इस प्रकार की शिकायतों के प्रभाव पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'नियोक्ता के समक्ष इस प्रकार की असत्य शिकायत करना निस्संदेह मानसिक क्रूरता है। इससे कर्मचारी की अपने नियोक्ता की दृष्टि में प्रतिष्ठा धूमिल होती है तथा उसके सेवा-जीवन और पदोन्नति की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। स्वाभाविक रूप से इसका उसके मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है और उसकी मानसिक शांति भंग होती है।'

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

नवंबर तक 75% बजट खर्च करें, लम्पी रोग पर तुरंत कार्रवाई हो: धर्मपाल सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सरकार की सभी योजनाओं का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नवंबर 2026 तक विभागीय बजट का कम से कम 75 प्रतिशत व्यय हर हाल में पूरा किया जाए। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप बजट खर्च नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री ने विभाग की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता पशुपालकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध

कराने, पशुधन संरक्षण तथा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की है। इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से पूरी रखी जाएं। यदि कहीं से भी इस बीमारी की सूचना प्राप्त होती है तो तत्काल प्रभाव से चिकित्सा टीम भेजकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में लगातार निगरानी रखी जाए तथा दवाइयों, टीकों और अन्य संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे, ताकि रोग के फैलाव को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सके। उन्होंने संचारी रोग नियंत्रण अभियान, एफएमडी टीकाकरण तथा निराश्रित गोवंश के संरक्षण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु के दौरान पशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए और सभी पशु चिकित्सालयों को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए। मंत्री ने वर्षा ऋतु को देखते हुए गोआश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी गोआश्रय स्थल पर जलभराव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। परिसर को साफ-सुथरा और सूखा रखा जाए तथा गोवंश के बैठने के लिए पर्याप्त चबूतरे और शेड उपलब्ध कराए जाएं। बारिश से बचाव के सभी इंतजाम समय रहते पूरे कर लिए जाएं ताकि गोवंश को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक जनपद में कम से कम पांच एकड़ भूमि पर हरे चारे की खेती कराई जाए। इस कार्य की नियमित प्रगति रिपोर्ट निदेशालय को भेजी जाए, जिससे निगरानी के साथ पशुओं के लिए पर्याप्त चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश में पशुपालकों के हित में नियमित रूप से पशु मेलों का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि पशु मेले आधुनिक पशुपालन तकनीकों, बेहतर नस्लों के प्रचार-प्रसार तथा पशुपालकों की आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इसलिए इनके आयोजन में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए। बैठक में मंत्री ने दुग्ध विकास कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दुग्ध समितियों की संख्या बढ़ाने, दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा किसानों को दुग्ध मूल्य का नियमित और समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बीजेएसपी ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 11वीं पुण्यतिथि पर किया नमन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजमोहन सिंह ने 'भारत रत्न', 'मिसाइल मैन', 'जनता के राष्ट्रपति' डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 11वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. कलाम - देश के लिए उनका योगदानः 1. मिसाइल मैनः अग्नि, पृथ्वी, त्रिशूल जैसी मिसाइलें बनाकर भारत को रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया। 2. परमाणु शक्तिः 1998 में पोखरण-2 परमाणु परीक्षण में अहम भूमिका निभाई। भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाया। 3. वैज्ञानिक और शिक्षकः ISRO और DRDO में रहकर देश के अंतरिक्ष और रक्षा कार्यक्रमों को नई ऊंचाई दी। 4. युवाओं के प्रेरणा स्रोतः राष्ट्रपति बनने के बाद भी क्लासरूम में जाकर बच्चों को पढ़ाते रहे। 10 लाख से ज्यादा छात्रों से सीधे संवाद किया। 5. 'विकसित भारत 2020' का सपनः उन्होंने 21वीं सदी में भारत को महाशक्ति बनाने का रोडमैप दिया।

अध्यक्ष का संदेशः बृजमोहन सिंह ने कहाः 'डॉ. कलाम जी ने जीरो से शुरू करके भारत को बुलंदियों तक पहुंचाया। वो झोपड़ी से निकले और राष्ट्रपति भवन तक गए, लेकिन सादगी नहीं छोड़ी। आज उनकी पुण्यतिथि पर हम संकल्प लेते हैं कि उनके दिखाए रास्ते - ईमानदारी, विज्ञान और देशसेवा - पर चलेंगे।' भारतीय जन समाज पार्टी के स्लोगन डॉ. कलाम के नामः 1. 'सपने देखो, उन्हें पूरा करने की हिम्मत रखो' - BJSP 2. 'कलाम के विचार, युवा का अधिकार' 3. 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत, यही कलाम का सपना' 4. 'पेपर लीक नहीं, प्रतिभा की जीत - यही सच्ची श्रद्धांजलि'

अध्यक्ष का संदेशः बृजमोहन सिंह ने कहाः 'डॉ. कलाम जी ने जीरो से शुरू करके भारत को बुलंदियों तक पहुंचाया। वो झोपड़ी से निकले और राष्ट्रपति भवन तक गए, लेकिन सादगी नहीं छोड़ी। आज उनकी पुण्यतिथि पर हम संकल्प लेते हैं कि उनके दिखाए रास्ते - ईमानदारी, विज्ञान और देशसेवा - पर चलेंगे।'

भारतीय जन समाज पार्टी युवाओं से अपील करती है कि आज के दिन 1 घंटा पढ़ाई करके और 1 पेड़ लगाकर डॉ. कलाम जी को सच्ची श्रद्धांजलि दें। 'मृत्यु तब होती है जब लोग आपको भूल जाते हैं - कलाम जी, आप अमर हैं।

नंदेश्वर धाम स्थापना दिवस पर उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में उद्यान विभाग परिसर स्थित नंदेश्वर धाम मंदिर का स्थापना दिवस मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों, अधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना एवं हवन-पूजन के साथ हुआ। सुंदरकांड पाठ के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारों के बीच धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता निभाई और सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया। स्थापना दिवस समारोह

में उद्यान विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला मंत्री सुभाष चंद्र तिवारी, उद्यान विभाग लिपिक संवर्ग कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के संयुक्त मंत्री अतुल कपूर तथा उद्यान महासंघ के अध्यक्ष अविनाश चंद श्रीवास्तव सहित सैकड़ों कर्मचारी एवं अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने नंदेश्वर धाम मंदिर की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर उपस्थित श्रद्धालुओं और कर्मचारियों ने आयोजन समिति की सराहना की। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

धनुआसाड़ में उमड़ा जनसैलाब, पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने स्व. सत्यदेव सिंह यादव को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

.....पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा में जनसेवा को किया याद, विशाल भंडारे में सैकड़ों लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद; सपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों की रही बड़ी मौजूदगी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र के धनुआसाड़ गांव में सोमवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने समाजसेवी और पूर्व जिला पंचायत सदस्य स्वर्गीय सत्यदेव सिंह यादव की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्व. सत्यदेव सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके सामाजिक योगदान को नमन किया। इस दौरान श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में समर्थकों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की मौजूदगी

से पूरा परिसर श्रद्धा और सम्मान के भाव से सराबोर हो उठा। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि स्व. सत्यदेव सिंह यादव ने अपना पूरा जीवन समाजसेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित किया। वे हमेशा गरीबों, किसानों और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे रहते थे। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, सेवा भाव और समाज के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तित्व कभी भुलाए नहीं जा सकते और उनके आदर्शों पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन सहदेव सिंह यादव, ग्राम प्रधान पदम सिंह यादव, पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव, पूर्व विधायक अम्बीश सिंह पुष्कर, समाजवादी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, राम सिंह यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता श्रवण यादव, अभिषेक दीक्षित, अभिषेक सिंह, आर्यन सिंह तथा क्रिधव सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। श्रद्धांजलि सभा के उपरांत आयोजित विशाल भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर दिनभर श्रद्धालुओं और समर्थकों का तांता लगा रहा। पूरे कार्यक्रम में सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और स्व. सत्यदेव सिंह यादव के प्रति लोगों के सम्मान की झलक स्पष्ट दिखाई दी। आयोजन को सफल बनाने में परिवार के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

पर्यटन परियोजनाएं अब केवल प्रस्तावों पर नहीं, जमीनी सत्यापन के बाद होंगी मंजूरः जयवीर सिंह

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की पर्यटन विभाग की कार्ययोजना की समीक्षा शुरू करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अब पर्यटन परियोजनाओं को केवल कागजी प्रस्तावों के आधार पर मंजूरी नहीं मिलेगी। प्रत्येक परियोजना का पहले जमीनी सत्यापन, उसकी उपयोगिता, जनहित और व्यावहारिकता का आकलन किया जाएगा। साथ ही सभी लंबित परियोजनाओं को आगामी नवंबर 2026 तक पूरा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। सोमवार को जारी बयान में मंत्री ने बताया कि प्रदेश में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन अवस्थापना के विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य सेक्टर के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए 575 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिन पर 1,198.41 करोड़ रुपये (119841.10 लाख रुपये) खर्च किए जा रहे हैं।

राज्य संग्रहालय में कारगिल विजय दिवस पर प्रदर्शनी, डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल स्मृति व्याख्यानमाला का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह की पहल पर राज्य संग्रहालय, लखनऊ में 26 जुलाई से 7 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाली 'डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल स्मृति व्याख्यानमाला' का शुभारंभ कारगिल विजय दिवस के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम के तहत कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया तथा भारतीय कला, संस्कृति, इतिहास और पुरातत्व के विभिन्न आयामों पर व्याख्यानों की श्रृंखला शुरू हुई। कार्यक्रम की शुरुआत में आमंत्रित अतिथियों और राज्य संग्रहालय के अधिकारियों ने कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि व्याख्यानमाला का उद्देश्य भारतीय कला, संस्कृति, इतिहास एवं पुरातत्व के प्रख्यात विद्वान डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल के बहुमूल्य योगदान का स्मरण करते हुए देश की सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है। मुख्य वक्ता प्रो. के.के. थपल्याल, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने व्याख्यान में डॉ. अग्रवाल के व्यक्तित्व, कृतित्व और शोध कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अग्रवाल ने भारतीय संस्कृति, कला और इतिहास के अध्ययन को नई दृष्टि प्रदान की। उनके शोध कार्यों ने भारतीय परंपराओं, लोकसंस्कृति और सांस्कृतिक निरंतरता को समझने का मजबूत आधार तैयार किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अग्रवाल के लेखन में भारतीयता की गहरी संवेदना और सांस्कृतिक चेतना का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. शैलेन्द्र नाथ कपूर ने डॉ. अग्रवाल की प्रसिद्ध कृति 'पाणिनिकालीन भारत' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारतीय इतिहास लेखन की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने बताया कि इस ग्रंथ में महर्षि पाणिनि की अष्टाध्यायी को ऐतिहासिक स्रोत मानकर तत्कालीन भारतीय समाज, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, व्यापार, उद्योग, धर्म, संस्कृति और जनजीवन का वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक चित्र प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अग्रवाल ने यह सिद्ध किया कि व्याकरण जैसे साहित्यिक ग्रंथ भी इतिहास और संस्कृति के अध्ययन के महत्वपूर्ण स्रोत हो सकते हैं।

लुलु मॉल में फनटुरा की दो दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता सम्पन्न

26 जिलों के 330 खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लुलु मॉल, लखनऊ स्थित प्रमुख इनडोर एम्यूज़मेंट एवं फैमिली एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन फनटुरा द्वारा 25 एवं 26 जुलाई 2026 को एट्रियम-1 में आयोजित दो दिवसीय फनटुरा शतरंज प्रतियोगिता का सफल समापन हुआ। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के 26 जिलों से आए कुल 330 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी शतरंज प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में अंडर-7, अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-19, महिला, ओपन एवं वेटरन सहित विभिन्न वर्गों में मुकाबले आयोजित किए गए। इससे सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों को अपनी रणनीतिक क्षमता और खेल कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिला। आयोजन ने खिलाड़ियों, अभिभावकों और दर्शकों के बीच विशेष उत्साह का माहौल बनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, युवाओं एवं वयस्कों में रणनीतिक सोच, खेल भावना और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना था। विभिन्न स्कूलों, शतरंज अकादमियों तथा स्वतंत्र

खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के दौरान अनुशासन, एकाग्रता और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया। इस अवसर पर श्री जयाकुमार गंगाधरन, डायरेक्टर - यूपी, दिल्ली एवं तेलंगाना, लुलु ग्रुप ने कहा कि ऐसे बौद्धिक एवं कौशल-आधारित आयोजन बच्चों और युवाओं के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि लुलु ग्रुप भविष्य में भी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाले आयोजनों का समर्थन करता रहेगा। बिजू सुगाथन, रीजनल डायरेक्टर - यूपी, दिल्ली एवं तेलंगाना, लुलु ग्रुप ने अपने संबोधन में कहा कि शतरंज केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि धैर्य, रणनीतिक सोच और निर्णय क्षमता विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। वहीं समीर वर्मा, रीजनल मैनेजर - यूपी, दिल्ली एवं तेलंगाना, लुलु ग्रुप ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं में विश्लेषणात्मक सोच, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करती हैं। वसीम अहमद खान, ऑपरेशंस मैनेजर - लुलु फनटुरा ने प्रतियोगिता में मिली शानदार भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि फनटुरा का उद्देश्य केवल मनोरंजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि सीखने, कौशल विकास और पारिवारिक सहभागिता को भी बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी फनटुरा इस प्रकार के शैक्षिक, खेल एवं कौशल-आधारित आयोजनों का आयोजन करता रहेगा। प्रतियोगिता का समापन भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न वर्गों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। 26 जिलों से आए 330 खिलाड़ियों की भागीदारी ने इस आयोजन को राज्य स्तरीय पहचान दिलाई। फनटुरा ने एक बार फिर साबित किया कि वह लखनऊ में पारिवारिक मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञान, खेल और कौशल विकास को बढ़ावा देने वाला अग्रणी केंद्र है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि प्रार्थी सुभाष चन्द्र पुत्र रघुनाथ यादव, निवासी ग्राम रहीमाबाद, परगना बिजनौर, तहसील सरोजिनी नगर, जनपद लखनऊ की गाटा संख्या 1017, ग्राम मिजनजुला से संबंधित पंजीकृत विक्रय विलेख (बैनामा) दिनांक 19/08/2011, विलेख संख्या 1, जिल्द संख्या 13132, पृष्ठ संख्या 205 से 268, क्रमांक 12362, जो उप-निबंधक सदर प्रथम, लखनऊ में पंजीकृत है, की मूल प्रति सरोजिनी नगर क्षेत्र में कहीं खो गई है। काफी तलाश और खोज बीन के बाद भी मुझे उक्त दस्ताबेज प्राप्त नहीं हो पाया है यदि किसी को उपरोक्त दस्ताबेज प्राप्त होता है तो मुझे मेरे नंबर पर संपर्क करे।

प्रार्थी
सुभाष चन्द्र पुत्र रघुनाथ यादव
मो. 8181815158

बी0 आर0 सी0 खैराबाद में ब्लॉक स्तरीय शिक्षकों की मासिक बैठक संपन्न

सभी कार्यों को गुणवाा पूर्ण और समय से पूरा करें:- प्रियांशी ससेना खण्ड शिक्षा अधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। ब्लॉक स्तरीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक स्थानीय बी आर सी में खंड शिक्षा अधिकारी खैराबाद प्रियांशी सक्सेना की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें ब्लॉक के सभी विद्यालयों के प्रधान अध्यापकों ने प्रतिभाग किया, बैठक में खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि अपने सभी कार्यों को प्रथम वरीयता में किया करें ताकि किसी भी प्रकार की कोई पेंडिंग न रहने पाए वर्तमान समय में जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश फॉर्म भरने के लिए सभी से युद्ध

स्तर पर कार्य करने को कहा तथा विभागीय निर्देशों के अनुसार अपने समस्त कार्य शीघ्र पूरे करें प्रत्येक विद्यालय में अच्छे से रंगाई पुताई होनी चाहिए कक्षा कक्ष में ग्रीन बोर्ड मानक के अनुसार लगे होना चाहिए समय का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त न की जाएगी।इसके बाद ए आर पी आशुतोष कुमार और संजीव पटेरिया ने मीटिंग एजेंडा के प्रत्येक बिंदु को साझा किया जबकि ए आर पी पूनम बाजपेई और शिवेन्द्र प्रताप सिंह ने चर्चा किया तथा जिला अधिकारी महोदय द्वारा जारी इक्कीस बिंदु की एस ओ पी पर भी विस्तार से समझाया खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में समाचार पत्र को आवश्यक रूप से मंगवाया जाए और बच्चों को पढ़ने के लिए दिया जाए जिससे उनकी पठन पाठन क्रिया में सुधार हो सके, निपुण आंकलन प्रत्येक माह के पहले सप्ताह में आवश्यक रूप से पूर्ण कर लेना चाहिए। विद्यालयों में प्रत्येक माह में अधिक उपस्थिति वाले बच्चों के साथ साथ उनके अभिभावकों का भी सम्मान किया जाए। ज्ञात रहे कि इस बार बैठक दो दिवस में सम्पन्न हुई पहले दिन पांच संकुल और आज पांच संकुलों को आमंत्रित किया गया था इन दोनों दिवसों में पूर्व माध्यमिक जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ खैराबाद अध्यक्ष नरेश मिश्रा मंत्री जहीर आलम वरिष्ठ उपाध्यक्ष काजिम हुसैन सिद्दीकी उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष पवन कुमार सिंह , मंत्री अमित त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।इसके अलावा बी आर सी स्टाफ में पंकज कुमार रावत,ब्रजेश दीक्षित, सुधीर कुमार,मनीष पाल,प्रमोद यादव,सिराज अहमद,रमेश रस्तोगी, संतोष त्रिवेदी अदीब अंसारी संजय कुमार आदि ने सभी कार्यों में सहयोग किया।

प्रदेश की छह बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं को मिली एलओसी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के तहत वृहद श्रेणी की छह औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी करने की स्वीकृति प्रदान की है। अधिकृत समिति की संस्तुतियों के आधार पर लिए गए इस निर्णय से प्रदेश में 716 करोड़ रुपये से अधिक के नए औद्योगिक निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा। अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार स्वीकृत परियोजनाओं में धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (बरेली) की 60 करोड़ रुपये, के.एन. इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (फिरोजाबाद) की 160.20 करोड़ रुपये, वीफॉर्म टेक्नोपैक लिमिटेड (वाराणसी) की 167.22 करोड़ रुपये, वीफॉर्म टेक्नोपैक लिमिटेड (गौतमबुद्ध नगर) की 120.97 करोड़ रुपये, प्रीमियर मेडिकल सिस्टम्स एंड डिवाइसेज प्राइवेट लिमिटेड (गौतमबुद्ध नगर) की 68 करोड़ रुपये तथा एस्ट्रल लिमिटेड (कानपुर देहात) की 139.53 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाएं शामिल हैं। सरकार के अनुसार इन सभी परियोजनाओं को औद्योगिक नीति-2022 के तहत पूंजीगत सब्सिडी और नेट एसजीएसटी प्रतिपूर्ति सहित विभिन्न प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इससे प्रदेश में नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और मौजूदा इकाइयों के विस्तार को गति मिलेगी।

स्टारशिप ने 20 उन्नत स्टारलिंक उपग्रहों के साथ भरी सफल उड़ान

स्पेसएक्स के 13वें परीक्षण मिशन में बड़ी सफलता, नासा ने भी रखी करीबी नजर

नई दिल्ली(एजेंसी)। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने शुक्रवार को अपने विशाल स्टारशिप रॉकेट का 13वां परीक्षण मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इस दौरान स्टारशिप ने टेक्सास स्थित दक्षिणी प्रक्षेपण केंद्र से उड़ान भरते हुए 20 अत्याधुनिक स्टारलिंक उपग्रहों को सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया। लगभग 124 मीटर (407 फुट) ऊंचा यह रॉकेट दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान माना जाता है। करीब एक घंटे तक चली उड़ान के दौरान स्टारशिप ने लगभग 200 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक-एक कर सभी उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ा। इसके बाद अंतरिक्षयान ने पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश किया और निर्धारित योजना के अनुसार हिंद महासागर में सुरक्षित जल अवतरण किया। स्पेसएक्स ने इसे अब तक का सबसे सफल पुनः प्रवेश परीक्षण बताया है। इस मिशन पर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की भी विशेष नजर रही। भविष्य में चंद्रमा पर मानव मिशन के लिए स्टारशिप को लूनर लैंडर के रूप में इस्तेमाल करने की योजना है। उड़ान से पहले स्पेसएक्स ने पहले चरण के 33 इंजनों में से छह इंजनों को बदला था, क्योंकि पिछले सप्ताह तकनीकी खराबी के चलते प्रक्षेपण अंतिम समय में स्थगित करना पड़ा था। नए प्रक्षेपित 20 स्टारलिंक उपग्रहों में से छह पर विशेष कैमरे लगाए गए थे, जिन्होंने उड़ान के दौरान स्टारशिप की हीट शील्ड की उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें भेजीं। हीट शील्ड पर लगे सेंसरों ने वायुमंडल में पुनः प्रवेश के समय पड़ने वाले अत्यधिक ताप और दबाव का भी सफलतापूर्वक रिकॉर्ड किया। स्पेसएक्स के अनुसार वर्तमान में 10,000 से अधिक स्टारलिंक उपग्रह दुनिया भर में इंटरनेट सेवा प्रदान कर रहे हैं। कंपनी की इंजीनियर केट टाइस ने मिशन को 'लकी फ्लाइट 13' बताते हुए इसकी सफलता पर खुशी जताई, जबकि नासा ने कहा कि इस परीक्षण से भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी अनुभव प्राप्त होंगे।

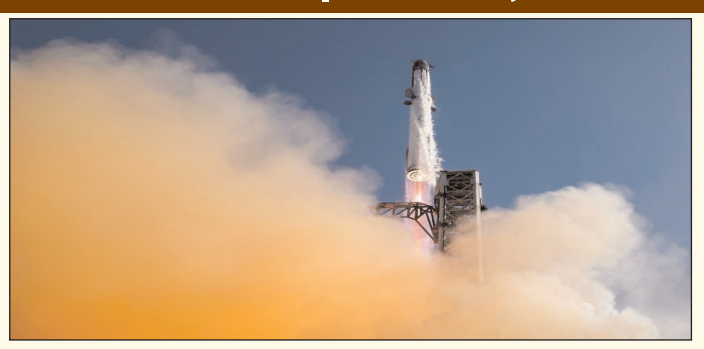

लगभग 124 मीटर (407 फुट) ऊंचा यह रॉकेट दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान माना जाता है। करीब एक घंटे तक चली उड़ान के दौरान स्टारशिप ने लगभग 200 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक-एक कर सभी उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ा। इसके बाद अंतरिक्षयान ने पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश किया और निर्धारित योजना के अनुसार हिंद महासागर में सुरक्षित जल अवतरण किया। स्पेसएक्स ने इसे अब तक का सबसे सफल पुनः प्रवेश परीक्षण बताया है।

विवाहिता पर जानलेवा हमले और उत्पीड़न मामलें में पति पर रिपोर्ट दर्ज

अवैध संबंधों के विरोध पर घटना को दिया अंजाम, घर वाली के जेवर बाहर वाली को देने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। अवैध संबंधों के विरोध पर पति ने विवाहिता पर जानलेवा हमला कर दिया। यही नहीं घर वाली के जेवरात बाहर वाली को दे दिए। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की कोशिश की। किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर अपने बच्चों को लेकर पीड़िता मायके आ गई। इस मामले में पीड़िता द्वारा की गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी पति के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना माधोटांडा क्षेत्र स्थित रामनगरा गाँव से पति के क्रूर अत्याचार का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति देवा राय पर अवैध संबंध, मारपीट, गहने छीनने और गला दबाकर जान से मारने के प्रयास का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, उसकी शादी लगभग 12 साल पहले हुई थी और उनके दो बच्चे हैं। आरोप है कि पति के किसी अन्य महिला के साथ संबंध हैं, जिसका विरोध करने पर आरोपी ने घर के सभी जेवरात उस महिला को दे दिए और पीड़िता के साथ मारपीट की। पीड़िता के बताये अनुसार हद तो तब हो गई जब 21 जुलाई को आरोपी पति ने पत्नी की हत्या की नीयत से उसका गला दबा दिया, जिससे वह बेहोश हो गई। होश में आने के बाद पीड़िता अपने दोनों बच्चों को बचाकर मायके आ गई और पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। थाना माधोटांडा पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर 24 जुलाई 2026 को आरोपी पति देवा राय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं–85, 115(2), 109 और 351(3)–के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर मारपीट कर विवाहिता को कमरे में रखा बन्द

पूरनपुर (पीलीभीत)। अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता के साथ मारपीट कर उसे जान से मारने की धमकी दी गयी। यही नही विवाहिता को कई दिनों तक कमरे में बंद रखा गया। इस दौरान उसे खाना पानी नहीं दिया गया। साथ ही मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया गया। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर पति सहित छः ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। थाना घुंघचाई क्षेत्र के गांव बिलंदपुर अशोक निवासी वर्षा पुत्री नेवराम ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसका विवाह 05 मई 2026 को कोतवाली पूरनपुर क्षेत्र के गांव शिवपुरिया निवासी मन सिंह पुत्र होरालाल के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति, सास, ससुर, जेठ, जेठानी और देवर एक लाख रुपये नकद और सोने की चेन की मांग करने लगे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने की बात कहने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता का आरोप है कि मांग पूरी न होने पर उसे गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी गई और तीन दिन तक कमरे में बंद रखकर मारपीट की गई।

नगर निगम की लापरवाही से मेवा लाल की बगिया में खुले नाले में गिरी कार

इसके पूर्व भी हो चुकी है घटना फिर भी नहीं चेता नगर निगम,लोगो में आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। नैनी स्थित मेवा लाल की बगिया क्षेत्र में शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे एक कार अचानक खुले नाले में जा गिरी। हादसे में चालक बाल-बाल बच गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस स्थान पर यह हादसा हुआ वहां नाला लंबे समय से खुला पड़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले भी इसी स्थान पर एक कार नाले में गिर चुकी थी, लेकिन उस घटना के बाद भी नगर निगम ने नाले को ढकने या सुरक्षा के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की।परिणामस्वरूप शुक्रवार रात फिर एक वाहन दुर्घटना का शिकार हो गया। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि समय रहते खुले नालों को ढका जाता और सुरक्षा बैरिकेडिंग की जाती, तो इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकता था। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि खुले नालों को तत्काल ढका जाए, पर्याप्त चेतावनी संकेत और बैरिकेड लगाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं की गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

संत रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर भाजपा कार्यालय पर आयोजित हुई कार्यशाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पीलीभीत पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य रहे, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती ने किया। कार्यशाला में पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संतों एवं महात्माओं के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संतों ने समाज को सदैव मानवता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया है। बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने संत रविदास महाराज के संपूर्ण जीवन पर चर्चा करते हुए उनके जीवन से जुड़ी विभिन्न घटनाओं और समाज के प्रति उनके योगदान को विस्तार से बताया।बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा ने कहा कि 29 जुलाई से पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर सक्रिय रूप से सहभागिता करनी है। उन्होंने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और महापुरुषों एवं संतों का सम्मान करने का कार्य भाजपा द्वारा निरंतर किया जा रहा है।जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी को सक्रिय एवं काम करने वाले कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है। यदि कोई कार्यकर्ता अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर पा रहा है तो वह स्वयं अपना दायित्व छोड़ सकता है।उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को पूरी सक्रियता से संपन्न कराने के साथ ही डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर भी सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया।इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य रजनीश पांडेय, जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा, महादेव गाईन, अनुराग अग्निहोत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजयुमो सोनू वाल्मीकि, पूरनपुर नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता, ललौरीखेड़ा ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार सहित भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यशाला में जिला उपाध्यक्ष नमन प्रताप राजपूत, विकास श्रीवास्तव, रेखा परिहार, अतिंदर पाल सिंह, मनोज गुप्ता, आयुष मिश्रा, जिला मंत्री सत्यपाल वर्मा, अमित कुशवाहा, नागेंद्र सिंह गंगवार, विकास वाल्मीकि, रेनू राज, पंकज तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष विकास पाल, संतोख सिंह संधू, शांति स्वरूप सोनकर, अभिषेक पटेल गोल्डी, हरिओम शर्मा, अभिमन्यु गंगवार, दीपक सोनकर, महेश वर्मा, डालचंद वर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ड्राइवर पर एसडीएम के नाम पर धन उगाही करने का आरोप, सीएम से शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। उपजिलाधिकारी पूरनपुर के ड्राइवर पर साहब के नाम पर धन उगाही किए जाने के आरोप लगे हैं। यही नहीं ड्राइवर की माफियाओं से सांठ-गांठ की भी बात कही जा रही है। इसको लेकर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ और जिलाधिकारी से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने जांच पूरी होने तक ड्राइवर को हटा दिया है। तहसील में तैनात पूरनपुर एसडीएम के ड्राइवर नदीम के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी और सीएम से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि संबंधित चालक एसडीएम के नाम और पद का प्रभाव दिखाकर अवैध रूप से धन उगाही करता है तथा आपराधिक तत्वों से सांठगांठ रखता है। फिलहाल ये सभी आरोप शिकायतकर्ता के हैं और इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नगर के मोहल्ला साहूकारा, लाइनपार निवासी वैभव सक्सेना ने 23 जुलाई को जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि एसडीएम का चालक नदीम लंबे समय से खनन माफिया, अवैध लकड़ी कटान और गौकशी से जुड़े लोगों के संपर्क में रहता है तथा एसडीएम के नाम का प्रभाव दिखाकर अवैध तरीके से धन अर्जित करता है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि तहसील की फाइलों में मोटी रकम लेकर काम कराने का आश्वासन दिया जाता है और इसी कथित तरीके से करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि संबंधित चालक सरकारी वाहन के साथ अपनी तस्वीरें फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा कर अपना प्रभाव दिखाने का प्रयास करता है, जिससे आम लोगों पर रौब जमाया जा सके।प्रार्थना पत्र में पूरे मामले की गहन जांच कर संबंधित कर्मचारी को तत्काल हटाने तथा दोष सिद्ध होने पर विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इससे प्रशासन की साख बनी रहेगी और आम जनता को अवैध वसूली व प्रभाव के दुरुपयोग से राहत मिलेगी। एसडीएम मयंक गोस्वामी ने बताया कि जिलाधिकारी ने आरोपों की जांच कराने के आदेश दिए है। यह ड्राइवर उनसे पहले जो जिलाधिकारी थे, उनके समय में कार्य कर रहा था। वर्तमान में उसे काम से हटा दिया गया है। शिकायत सही पाए जाने पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मामले में याचिकाकर्ता से कहा - धैर्य रखें, अभी इसके लिए सही समय नहीं है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। 'थोड़ा धैर्य रखें। कई मामले लंबित हैं।' सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हिंदू पक्ष से यह बात कही। हिंदू पक्ष ने सावन के पवित्र महीने में वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर के सील किए गए इलाके में मौजूद कथित शिवलिंग पर पूजा करने की अनुमति मांगी थी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिका पर सुनवाई करते हुए वकील विष्णु शंकर जैन से कहा, 'इस तरह की प्रार्थना के लिए यह सही समय नहीं है।' हिंदू पक्ष ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के सील किए गए वजूखाना इलाके के अंदर विशेष पूजा करने की अनुमति मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश के पालन में यह इलाका 2022 से सील है। विवादित ढांचा, जिसे हिंदू पक्ष शिवलिंग बताता है, 2022 में कोर्ट की निगरानी में हुए सर्वे के दौरान मिला था और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार सील है। इस महीने की शुरुआत में, हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों ने सुप्रीम कोर्ट के 'समाधान समारोह' पहल के तहत बातचीत से विवाद सुलझाने के प्रस्ताव को औपचारिक रूप से ठुकरा दिया था। इसके बजाय, उन्होंने कानूनी आधार पर नियमित न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से मामले का निपटारा करने का विकल्प चुना। जनवरी 2024 में, वाराणसी जिला अदालत ने हिंदू श्रद्धालुओं को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के दक्षिणी तहखाने, 'व्यास तहखाना' में पूजा करने की अनुमति दी थी।इसके बाद, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जिला अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन समिति की अपील खारिज कर दी थी।

गांव की जर्जर सड़क व जलभराव से परेशान ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। गांव की जर्जर सड़क और उस पर होने वाले जलभराव की समस्या को लेकर जुलूस की शक्ल में तहसील परिसर पहुंचे ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें समस्या का समाधान न होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है। तहसील क्षेत्र के ग्राम जादोपुर गहलुइया के ग्रामीणों ने गांव की जर्जर सड़क और जलभराव की समस्या को लेकर शनिवार दोपहर 12 बजे एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य सड़क लंबे समय से बदहाल है। हल्की बारिश होते ही सड़क पर पानी भर जाता है और कीचड़ के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। इसी मार्ग से स्कूली बच्चे, किसान, महिलाएं, बुजुर्ग और मरीज रोजाना आवागमन करते हैं, जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि कई लोग फिसलकर घायल भी हो चुके हैं, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। ज्ञापन में सड़क का शीघ्र निर्माण कराने और जल निकासी के लिए नाली बनवाने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वह आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन पर अकील बेग, कमरुद्दीन, शाकिर, अनस खान, मुजाहिद, जाकिर, आरिफ, मोहम्मद आकिब, अब्दुल कादिर, साजिद बेग, अफजाल, अरबाज, अयान खान सहित कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने थाना समाधान दिवस में सुनीं फरियादियों की शिकायतें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। थाना समाधान दिवस में आने वाले फरियादियों की शिकायतों को सुनने के बाद जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने अधीनस्थों को जनता की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। थाना समाधान दिवस के अवसर पर शनिवार को थाना न्यूरिया परिसर में पुलिस अधीक्षक पीलीभीत सुकीर्ति माधव एवं जिलाधिकारी पीलीभीत ज्ञानेन्द्र सिंह ने पहुंचकर क्षेत्रीय जनता की समस्याएं सुनीं। दोनों अधिकारियों ने फरियादियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी शिकायतों एवं प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।समाधान दिवस में विभिन्न मामलों से संबंधित शिकायतें अधिकारियों के समक्ष पहुंचीं। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। फरियादियों की समस्याओं का निष्पक्षता के साथ समाधान करते हुए उन्हें अनावश्यक रूप से अधिकारियों और कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। अधिकारियों ने विशेष रूप से राजस्व से संबंधित शिकायतों के निस्तारण को लेकर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें गठित कर मौके पर भेजी जाएं और स्थलीय निरीक्षण करते हुए निष्पक्ष एवं न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच करने के बाद ही प्रभावी समाधान किया जाए। थाना समाधान दिवस के दौरान थाना क्षेत्र के आसपास के सभी ग्राम प्रधानों को भी बुलाया गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने ग्राम प्रधानों से उनके-अपने गांवों की समस्याओं तथा जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्राप्त की। ग्राम प्रधानों द्वारा बताई गई समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने संबंधित विभागों को उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी है। आमजन को त्वरित न्याय दिलाने और उनकी समस्याओं के प्रभावी निस्तारण के लिए प्रशासन एवं पुलिस विभाग पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है।

बाइकों की भिड़ंत में तीन घायल, दो गम्भीर

पूरनपुर (पीलीभीत)। किसान नेता के घर से वापस लौट रहे राजमिस्त्री और मजदूर की बाइक की दूसरी बाइक से भिड़न्त हो गयी। इस हादसें में तीन लोग घायल हो गये। घायलों को प्राथमिक उपचार के उपरांत जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि घायलों में दो लोगों की हालत गम्भीर बनी हुई है। कोतवाली क्षेत्र के गांव टांडा छत्रपति निवासी राजमिस्त्री संजीव शर्मा पुत्र मंगरेलाल गुरुवार को गांव के भगवानदीन के साथ पचपेड़ा निवासी किसान नेता मंजीत सिंह के घर निर्माण कार्य करने गए थे। शाम को काम खत्म कर दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। खमरिया के पास पहुंचते ही उनकी बाइक की दूसरी बाइक से आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में सर्वेश शर्मा, भगवानदीन तथा दूसरी बाइक सवार पूरनपुर की रजा कॉलोनी निवासी सर्वेश पुत्र रामकिशन घायल हो गए।दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पूरनपुर पहुंचाया गया।